UPEIDA ने IMLC विकसित करने के लिए चिह्नित किए 27 नोड, पहले चरण में 12 जगह होंगे काम

पांच एक्सप्रेस-वे के किनारे विकसित होंगे लॉजिस्टिक क्लस्टर

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

प्रदेश में बन रहे एक्सप्रेस-वे केवल शहरों की दूरी ही नहीं घटा रहे बल्कि निवेश और बाजार के लिए भी उर्वरा जमीन तैयार कर रहे हैं। प्रदेश के पांच प्रमुख एक्सप्रेस-वे के किनारे यूपी एक्सप्रेसवेज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (UPEIDA) निवेश को बढ़ावा देने के लिए इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग ऐंड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर (IMLC) विकसित कर रहा है। इसके लिए 27 नोड चिह्नित किए गए हैं और भूमि अधिग्रहण का काम भी प्रक्रिया में है। हालांकि, निवेशकों के इंटेंट के आधार पर पहले चरण में 12 नोड विकसित किया जाएगा, जहां करीब 43 हजार करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं।

सरकार जिन एक्सप्रेस-वे के किनारे

43 हजार करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव

AI Image

फिलहाल IMLC विकसित कर रही है, इसमें गंगा एक्सप्रेस-वे, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे और गोरखपुर-लिंक एक्सप्रेस-वे शामिल है। IMLC का उद्देश्य उत्पादन, लॉजिस्टिक्स और वितरण को इंटीग्रेट एकीकृत कर औद्योगिक गतिविधियों को सुगम बनाना है। 26 जिलों में फैले इन क्लस्टर को आधुनिक बुनियादी ढांचे, पारदर्शी भूमि आवंटन प्रणाली और निवेशकों को आकर्षित करने वाली सुविधाओं से युक्त बनाया जा रहा है। यहां विनिर्माण, फूड प्रोसेसिंग, वेयरहाउसिंग आदि इकाइयों के निर्माण को प्रोत्साहन दिया जाएगा। एक्सप्रेस-वे के किनारे होने के चलते इसकी कनेक्टिविटी तो शानदार होगी ही, साथ ही क्लस्टर के भीतर भी चौड़ी सड़कें, स्ट्रीट लाइट, 24*7 बिजली आपूर्ति, ग्रीन बेल्ट जैसी सहूलियतों का भी विस्तार किया जा रहा है।

पहले विकसित होंगे ये नोड

IMLC	आवंटन क्षेत्र (हे.)	प्राप्त इंटेंट	निवेश (करोड़ में)
मेरठ	150	392	18,512
अमरोहा	98	58	2465
संभल	157	116	1071
बदायूं	76	06	565
शाहजहांपुर	71	85	653
हरदोई	95	04	272
उन्नाव	94	12	3465
फिरोजाबाद	98	30	2587
इटावा	62	04	539
बाराबंकी	172	35	2882
अमेठी	104	02	350

82% भूमि चिह्नित, 57 हजार करोड़ से अधिक के इंटेंट

विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्नाव, इटावा, शाहजहांपुर, हरदोई, संभल, बदा, औरैय, महोबा, फिरोजाबाद, अंबेडकरनगर, हमीरपुर, सुलतानपुर, बदायूं, अंबेडकर नगर-गोरखपुर लिंक, गोरखपुर, गाजीपुर, मेरठ, जालौन, रायबरेली, प्रतापगढ़, चित्रकूट, कन्नौज, अमरोहा, बाराबंकी, हापुड़ व प्रयागराज में 27 नोड विकसित किए जा रहे है। औरैया मे दो नोड चिह्नित किए गए है। इनके लिए 5143 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहण के लिए चिह्नित की गई है, जिसमें लगभग 82% का अधिग्रहण हो चुका है। इन IMLC के लिए 110 इंटेंट मिले है जिनसे प्रस्तावित निवेश 57 हजार करोड़ रुपये से अधिक है। हालांकि, इन कुल प्रस्तावों मे करीब 43 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव 12 IMLC मेरठ, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, फिरोजाबाद, इटावा, बाराबंकी, अमेठी और सुलतानपुर के लिए ही है। इसलिए प्रस्तावों के आधार पर इन सभी 12 नोड को सबसे पहले विकसित किया जा रहा है।